Number of Pages in Booklet : 12
पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 12

Serial No. of Booklet
पुस्तिका क्रमांक

050076

Number of Questions is Booklet : 100
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 100

Sanskrit

Subject Code / विषय कोड -05

Roll No. of Candidate / अभ्यर्थी का अनुक्रमांक : ....

OMR Serial Number / ओ. एम. आर. क्रमांक : ....

Signature of Candidate / अभ्यर्थी के हस्ताक्षर : ....

Date of Examination / परीक्षा तिथि : ....

Signature of Invigilator / वीक्षक के हस्ताक्षर : ....

Time/समय : Two hours / दो घण्टे

Maximum Marks / पूर्णांक : 100

INSTRUCTIONS

1. Answer all questions.
2. All questions carry equal marks.
3. In this booklet, the questions from serial no. 01 to serial no.100 are subject specific.
4. Each question has four alternatives marked as (A), (B), (C), (D).
5. Choose only one alternative as an answer of a question.
6. If more than one answer is marked, then it will be treated as wrong answer.
7. Candidate has to darken only one circle indicating the correct answer on the OMR sheets by using **BLUE/BLACK BALLPOINT PEN.**
8. There is no provision of **Negative marking.**
9. Carrying Mobile phone in the examination hall is strictly prohibited. If any objectionable material is also found, then action will be taken as per University norms.
10. Please fill your Roll No. and other information carefully on OMR sheet. In case of any mistake on OMR sheet, candidate will be responsible.
11. If there is any difference between English and Hindi version of questions, then English version shall be correct.

निर्देश

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. इस प्रश्न पुस्तिका में क्रमांक 1 से क्रमांक 100 तक के प्रश्न विषय से संबंधित हैं।
4. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर हैं जिन्हें क्रमश : (A), (B), (C), (D) से अंकित किया गया हैं।
5. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक विकल्प उत्तर के रूप में चुनिये।
6. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न का उत्तर गलत माना जाएगा।
7. अभ्यर्थी को सही उत्तर हेतु केवल एक गोले को ओ. एम. आर. शीट पर **नीले/काले बॉल प्वाइंट पेन** से गहरा करना हैं।
8. **नकारात्मक अंक** प्रदान करने का कोई प्रावधान नहीं हैं।
9. मोबाइल फोन का परीक्षा हॉल में लाना पूर्णतया निषिद्ध हैं। साथ ही कोई भी अन्य वर्जित सामग्री मिलने पर विश्वविद्यालय के नियमनानुसार कार्यवाही होगी।
10. अभ्यर्थी अपना रोल नम्बर एवं अन्य जानकारियाँ ओ. एम. आर. शीट पर सावधानी से भरें। ओ. एम. आर. शीट पर कोई भी त्रुटि होने पर उसका पूर्ण दायित्व अभ्यर्थी का होगा।
11. यदि प्रश्नों के हिन्दी और अंग्रेजी रूपान्तरणों के मध्य किसी प्रकार फर्क पाया जाता है, तब अंग्रेजी रूपान्तरण को ही सही माना जायेगा।

SPACE FOR ROUGH WORK /रफ कार्य के लिये जगह

1. स्वप्नवासवदत्त के विदूषक का नाम क्या है ?

(A) माणवक। (B) वसन्तक।

(C) माढव्य। (D) गौतम

2. ब्रह्मचारीप्रसङ्ग स्वप्नवासवदत्त के किस अंक में आता है?

(A) पञ्चम अंक में। (B) तृतीय अंक में।

(C) प्रथम अंक में। (D) चतुर्थ अंक में।

3. स्वप्नवासवदत्त का नायक कौन है?

(A) उदयन। (B) वासुदेव।

(C) यौगन्धरायण। (D) वासवदत्त।

4. स्वप्नवासवदत्त में 'स्त्रीस्वभावस्तु कातरः।' यह किस की उक्ति है?

(A) राजा उदयन का। (B) वासवदत्ता की।

(C) विदूषक की। (D) पद्मावती की।

5. यत् धात्रा निजभालपट्टलिखितम् स्तोकम् महत् वा धनम् - इस श्लोक में स्तोकम् पद का विरोधी पद है -

(A) धनम्। (B) लघु।

(C) महत्। (D) अल्पम्

6. परिवर्तिनि संसारे मृतः कः वा न जायते। सः जातः येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम्।। -

इस नीतिशतक के पद्य में '**कः**' पद से किस का बोध होता है?

(A) पशु का बोध होता है। (B) मानव का बोध होता है।

(C) नृप का बोध होता है। (D) पण्डित का बोध होता है।

7. सिकतासु यत्नतः पीडयन् .... अपि लभेत। - इस वचन में रिक्त स्थान में योग्य शब्द है.-

(A) धनम्। (B) जलम्।

(C) तैलम्। (D) विद्या।

8. भर्तृहरि के मत में **प्रच्छन्नगुप्तम् धनम्** क्या है?

(A) विद्या। (B) धर्मः।

(C) रूपम्। (D) शरीरम्।

9. शैशवेभ्यस्तविद्यानाम् यौवने विषयैषिणाम्।

वार्धिक्ये मुनिवृत्तीनाम् योगेनान्ते तनुत्यजाम्।। - इस पद्य में किस कवि ने किनके जीवन का वर्णन किया है?

(A) भवभूति ने - पाण्डवों का। (B) कालिदास ने - रघुवंशीयों का।

(C) भास ने - रघुवंशीयों का। (D) वाल्मीकि ने - रघुवंशीयों का।

10. कालिदास के रधुवंश के किस सर्ग में इन्दुमतिस्वयंवरप्रसङ्गः है?

(A) पञ्चम सर्ग में। (B) तृतीय सर्ग में।

(C) षष्ठ सर्ग में। (D) चतुर्थ सर्ग में।

11. रघुवंश के षष्ठ सर्ग के अन्तिम पद्य में कौन सा छन्द है?

(A) पुष्पिताग्रा।
(B) आर्या।
(C) अनुष्टुप्।
(D) इन्द्रवज्रा।

12. राजा प्रजारञ्जनलब्धवर्णः परन्तपो नाम यथार्थनामा।। – इस श्लोक में यथार्थनामा राजा कौन है?

(A) राजा।
(B) परन्तपः।
(C) दिलीपः।
(D) रघुः।

13. रराज धाम्ना रघुसूनुरेव कल्पद्रुमाणां इव पारिजातः॥ – यहाँ अज का उपमान क्या है?

(A) राजा।
(B) पारिजात।
(C) कल्पवृक्ष।
(D) धाम।

14. मुझे संस्कृतभाषा में रूचि है। – इस वाक्य का सही संस्कृतानुवाद है –

(A) मम संस्कृतभाषायां रूचिः अस्ति।
(B) संस्कृतभाषायां मां रूचिरस्ति।
(C) मह्यं संस्कृतभाषायै रूचिः अस्ति।
(D) संस्कृतभाषायाम् अहम् रूचिः अस्मि।

15. स्पृह् धातु के प्रयोग में किस की सम्प्रदानसंज्ञा होती है –

(A) ईप्सितं की।
(B) ईप्सिततम की।
(C) किसी भी पदार्थ की।
(D) किसी भी कारक की।

16. सीता सुन्दरं पचति – इस वाक्य में नहीं है –

(A) कर्तृपद।
(B) क्रियापद।
(C) कर्मपद।
(D) क्रियाविशेषणपद।

17. निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य कौन सा है?

(A) नृपतयः विप्रेभ्यः गाः ददति
(B) नृपतिः विप्राय गौः ददाति।
(C) नृपतयः विप्रेभ्यः गाम् ददाति
(D) नृपतयः विप्रान् गावः ददन्ति।

18. प्रेरक-कर्ता के प्रयोग वाला वाक्य कौन सा है?

(A) गुरूः वेदम् पाठयति
(B) गुरूः स्वयं वेदं पठति।
(C) गुरूणा पठ्यते वेदः
(D) गुरूः वेदपाठकः अस्ति।

19. सम्बोधन में कौन सी विभक्ति होती है?

(A) अष्टमी।
(B) द्वितीया।
(C) प्रथमा।
(D) विवक्षानुसार सभी।

20. पराजेरसोढः। – इस सूत्र का उदाहरण कौन सा वाक्य हो सकता है?

(A) रोगात् पराजयते।
(B) रोगान् पराजयते।
(C) रोगेण पराजयति।
(D) रोगम् पराजयते।

21. वाक्य में प्रथमान्त पद को तृतीया विभक्ति कब करनी होती है?

(A) जब कर्तृवाच्य में से कर्मवाच्य करना हो।
(B) जब भववाच्य से कर्तृवाच्य करना हो।
(C) जब कर्मवाच्य से कर्तृवाच्य करना हो।
(D) कहीं पर भी नहीं।

22. ब्रह्मन् शब्द जब नपुंसकलिङ्ग में प्रयुक्त होता है, तब उसका प्रथमा विभक्ति एकवचन का रूप है –

(A) ब्रह्मा। (B) ब्रह्म।

(C) ब्रह्मन्। (D) ब्रह्मम्।

23. निम्न लिखित में से कृति और कार्ता का कौन सा संयोजन ठीक नही है?

(A) पुराणानि – महर्षिव्यासः। (B) सूत्राणि – आचार्यपाणिनिः।

(C) संजीवनी मल्लिनाथः। (D) काव्यप्रकाशः – आनन्दवर्धनः।

24. वागर्थाविव संपृक्तौ ..... । इस पद्य में कौन सा अलङ्कार है?

(A) उत्प्रेक्षालंकार। (B) रूपकालंकार।

(C) उपमालंकार। (D) अप्रस्तुतप्रशंसा।

25. किरातार्जुनीय का प्रारम्भ होता है इस पद्य से –

(A) वागर्थाविव सम्पृक्तौ...। (B) कश्चित् कान्ताविरहगुरूणा..।

(C) को न्वस्मिन् साम्प्रतं लोके..। (D) श्रियः कुरूणां अधिपस्य।

26. भारवि किरातार्जुनीय महाकाव्य के प्रत्येक सर्ग के अन्त में कौन सा एक शब्द प्रयुक्त करते हैं?

(A) श्री – शब्द। (B) इति – शब्द।

(C) शिव – शब्द। (D) भा – शब्द।

27. लोपसंज्ञा का विधान करने वाला सूत्र है –

(A) अदर्शनं लोपः। (B) तस्य लोपः।

(C) शेषे लोपः। (D) प्रत्ययलोपे प्रत्ययलक्षणम्।

28. स्पर्शवर्णों का आभ्यन्तर प्रयत्न होता है –

(A) ईषत्स्पृष्ट। (B) विवृत।

(C) स्पृष्ट (D) ईषद्विवृत।

29. गङ्गोदकम् – इस प्रयोग में किस सूत्र से सन्धि होती है?

(A) अतो गुणे। (B) आदेङ् गुणः।

(C) आद् गुणः। (D) ओर्गुणः।

30. सच्चित्। – इस प्रयोग का सन्धिविच्छेद करने पर प्राप्त होगा –

(A) सः चित्। (B) सद् चित्।

(C) सच्च् इत्। (D) सत् चित्।

31. पुना रमते। – इस प्रयोग में रेफ का लोप किस सूत्र से होता है?

(A) रो ऽ सुपि। (B) रो रि।

(C) रात्सस्य (D) ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घो ऽ णः।

32. यह कृत्प्रत्ययान्त प्रयोग नहीं है –

(A) नन्दनः। (B) कुम्भकारः।

(C) पटुतरः। (D) पठितुम्।

33. दृश् धातु से तुमुन् प्रत्यय हो कर जो रूप सिद्ध होता है, वह है –

(A) दर्शितुम्। (B) दृष्टुम्।

(C) दृशितुम्। (D) द्रष्टुम्।

34. तव्यत्प्रत्ययान्त का कौन सा प्रयोग साधु है?

(A) पाठेन भवितव्यम्। (B) पाठः भवितव्यः।

(C) पाठेन भवितव्यः। (D) पाठं भवितव्यः।

35. क्रियार्थ क्रिया के अर्थ में धातु से कौन सा प्रत्यय होता है?

(A) तुमुन्। (B) क्तवतुः।

(C) क्त्वा। (D) ण्यत्।

36. इन्द्र सूक्त में किये गये वर्णन के अनुसार इन्द्र ने कितने वर्षों के बाद शम्बर को प्राप्त किया था?

(A) 30 वर्ष में। (B) 40 वर्ष में।

(C) 12 वर्ष में। (D) 20 वर्ष में।

37. ऋग्वेद के दशम मण्डल का 191 वाँ सूक्त किस नाम से प्रसिद्ध है?

(A) नासदीयसूक्तम्। (B) अग्निसूक्तम्।

(C) प्रजापतिसूक्तम्। (D) संज्ञानसूक्तम्।

38. कस्मै देवाय हविषा विधेम। – यह चरण किस सूक्त में आता है –

(A) 1.1 अग्निसूक्त में। (B) 2.12 इन्द्रसूक्त में।

(C) 10.121 हिरण्यगर्भसूक्त में। (D) 10.191 संज्ञानसूक्त में।

39. ऋद्वेदीय प्रथम मन्त्र में अग्नि का कौन सा विशेषण प्रयुक्त नहीं हुआ है?

(A) देवम्। (B) पुरोहितम्।

(C) ऋत्विजम्। (D) कविम्।

40. उदुत्तमं मुमुग्धि नो वि पाशं मध्यमं चृत। – इस मन्त्र में पाशमोचन के लिये किस देवता से प्रर्थना की गई है?

(A) हिरण्यगर्भ से। (B) इन्द्र से।

(C) वरूण से। (D) अग्नि से।

41. समानेन वो हविषा जुहोमि। – इस ऋचा का अन्तिम चरण उदाहरण है –

(A) परोक्षकृत ऋचा का (B) प्रत्यक्षकृत ऋचा का।

(C) परोक्षकृत-प्रत्यक्षकृता ऋचा का। (D) किसी का भी नहीं।

42. कठोपनिषत्कार के मत में पीतोदक जग्घतृण गायों को दान में देने वाला किस लोक को जाता है।

(A) आनन्दलोक को। (B) अनन्दा नाम लोक को।

(C) पृथ्वीलोक को। (D) स्वर्लोक को।

43. कठोपनिषद् में नचिकेता को कितनी रात्रि क्या करते हुए यम के घर पर रहा हुआ बताया गया है?

(A) तीन रात, बिना खाये। (B) चार रात, राह देखता हुआ।

(C) पांच रात, बिना पीये। (D) एक रात, बिना खाये पीये।

44. सर्व इन्द्रियों के तेज को कौन जीर्ण कर देता है?

(A) मृत्युदेवता। (B) श्वोभाव।

(C) ज्ञानाग्नि। (D) कामना।

45. समत्वं योग उच्यते। - इस वचन में किस संदर्भ में समत्व की अपेक्षा रखी गई है?

(A) सुख और दु:ख में।
(B) जय और पराजय में।
(C) सिद्धि और असिद्धि में।
(D) हानि और लाभ में।

46. हरये। इस पद में गुण किस सूत्र से होता है?

(A) शेषो घ्यसखि
(B) ह्रस्वस्य गुण:।
(C) अतो गुणे।
(D) घेर्ङिति।

47. राम + आम् - इस स्थिति में कौन सा आगम होता है?

(A) नुट् आगम।
(B) नुम् आगम।
(C) अट् आगम।
(D) नुक् आगम।

48. अमि पूर्व:। - सूत्र से क्या होता है?

(A) पूर्वरूप-एकादेश।
(B) पररूप-एकादेश।
(C) दीर्घ-एकादेश।
(D) सवर्णदीर्घ।

49. सुप् प्रत्यय के सकार का षकारादेश यहाँ नहीं होता है?

(A) रामे + सुप्।
(B) हरि + सुप्।
(C) जगत् + सुप्।
(D) पितृ + सुप्

50. संबोधन में सर्वत्र प्रथमा एकवचन के सु प्रत्यय का होता है-

(A) गुण।
(B) लोप।
(C) सकारत्व।
(D) रूत्व।

51. यह वचन कालिदास के अभिज्ञानशाकुन्तल में नहीं है-

(A) किम् इव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।
(B) सरस्वती श्रुतमहती महीयताम्।
(C) भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र।
(D) पुराणमित्येव न साधु सर्वम्।

52. शाकुन्तल में भ्रमरबाधा का प्रसङ्ग किस अंक में आता है?

(A) पंचम अङ्क में।
(B) सप्तम अङ्क में।
(C) प्रथम अङ्क में।
(D) द्वितीय अङ्क में।

53. शाकुन्तल में मुख्य रस कौन सा है?

(A) शृङ्गार।
(B) करूण।
(C) वीर।
(D) सभी रस।

54. शाकुन्तल के द्वितीय अङ्क का प्रारम्भ किस के प्रवेश के होता है-

(A) शकुन्तला के।
(B) दुष्यन्त के।
(C) विदूषक के।
(D) ऋषि दुर्वासा के।

55. अभिज्ञानशाकुन्तल में अतिथिपरिभाविनि - यह सम्बोधन किस के लिये प्रयुक्त हुआ है?

(A) शकुन्तला के लिये।
(B) प्रियंवदा के लिये।
(C) गौतमी के लिये।
(D) अनसूया के लिये।

56. शिखरिणी छन्द में प्रथम यति कहाँ आता है?

(A) पंचम अक्षर पर।
(B) नवम अक्षर पर।
(C) सप्तम अक्षर पर।
(D) षष्ठ अक्षर पर।

57. छन्द के संदर्भ में भगण होता है-

(A) मध्यगुरू।
(B) आदिगुरू।
(C) अन्तलघु।
(D) सर्वगुरू।

58. न्यायात् पथ: प्रविचलन्ति पदं न धीरा:। - इस पद्य में कौन सा छन्द है?

(A) मालिनी।
(B) वसन्ततिलका।
(C) स्रग्धरा।
(D) शिखरिणी।

59. मन्दाक्रान्ताछन्द में निबद्ध रचना कौन सी है?

(A) रधुवंशम्।
(B) मेघदूतम्।
(C) अमरूशतकम्।
(D) नीतिशतकम्।

60. किस छन्द के प्रत्येक पाद में सप्तदश अक्षर होते हैं?

(A) वसन्ततिलका में।
(B) मन्दाक्रान्ता में।
(C) स्रग्धरा में।
(D) शार्दूलविक्रीडित में।

61. सूत्रधारकृतारम्भै: नाटकैर्बहुभूमिकै: ।सपताकैर्यशो लेभे... । - इस प्रसिद्ध वचन में महाकवि बाण ने किसकी प्रशंसा की है?

(A) कालिदास की।
(B) भास की।
(C) स्वयम् खुद की।
(D) भवभूति की।

62. संस्कृतकवियों का कालानुसारी वास्तविक क्रय है-

(A) भास - कालिदास - भवभूति।
(B) कालिदास - भवभूति - भास।
(C) भास - भवभूति - कालिदास।
(D) भवभूति - भास - कालिदास।

63. संस्कृत-गद्यकाव्य का उद्भव होता है-

(A) ऋग्वेद से।
(B) व्यास से।
(C) यजुर्वेद से ।
(D) बाण से।

64. संस्कृत में रूपक के कितने प्रकार हैं?

(A) दश।
(B) सप्त।
(C) एकादश।
(D) द्वादश।

65. मेघदूत का काव्य-प्रकार क्या है?

(A) महाकाव्य।
(B) प्रकृतिकाव्य।
(C) गीतिकाव्य।
(D) मुक्तककाव्य।

66. गीतगोविन्द के रचयिता कौन है?

(A) उद्धव।
(B) जयदेव।
(C) मीरा।
(D) जगन्नाथ।

67. महाभारत के लेखक के रूप में कौन प्रसिद्ध है?

(A) गणेश।
(B) व्यास।
(C) बादरायण व्यास।
(D) कृष्ण।

68. कालिदास की कितनी कृतियाँ हैं?

(A) एकादश। (B) सप्त।

(C) नव। (D) पञ्च।

69. यह गद्यकाव्य के रचयिता हैं–

(A) भास। (B) व्यास।

(C) बाणभट्ट। (D) नागेशभट्ट।

70. महाकाव्य का प्रधानरस कौन सा हो सकता है?

(A) वीररस। (B) हास्यरस।

(C) करूणरस। (D) शान्तरस।

71. कृत्प्रत्यय के द्वारा अभिहित होने पर कारण कारक में कौन सी विभक्ति होती है?

(A) सप्तमी विभक्ति। (B) पञ्चमी विभक्ति।

(C) प्रथमा विभक्ति। (D) तृतीया विभक्ति।

72. समम् पद के योग में कौन सी विभक्ति होती है?

(A) पञ्चमी विभक्ति। (B) द्वितीयाविभक्ति।

(C) प्रथमा विभक्ति। (D) तृतीयाविभक्ति।

73. किन दो अलङ्कारों के प्रयोग में इव का प्रयोग होता है?

(A) अतिशयोक्ति तथा उपमा में। (B) उपमा तथा श्लेष में।

(C) उपमा तथा उत्प्रेक्षा में। (D) उपमा तथा रूपक में।

74. दृष्टान्तालङ्कार में किनका प्रतिबिम्बक होता है?

(A) सम्बन्धों का। (B) शब्दार्थ का।

(C) फलप्रकाशकादि का। (D) साधारणधर्मादि का।

75. श्लेषालंकार वहाँ होता है, जहाँ...........रचना होती है। - रिक्त स्थान की पूर्ति करें।

(A) एकार्थी। (B) समानार्थी।

(C) अनेकार्थी। (D) द्व्यर्थी।

76. रूपकालङ्कार की प्रमुख विशेषता कौन सी है?

(A) प्रकृत और अप्रकृत में भेद। (B) प्रस्तुत तथा अप्रस्तुत में वैधर्म्य।

(C) उपमान तथा उपमेय में अभेद। (D) प्रस्तुत तथा अप्रस्तुत में भेद।

77. प्रतिकूलतामुपगते हि विधौ विफलत्वमेति बहुसाधनता। - इस पद्यांश के किस पद में श्लेष है?

(A) प्रतिकूलताम्। (B) विफलत्वम्।

(C) बहुसाधनता। (D) विधौ।

78. श्रीमद्भगवद्गीता का द्वितीय अध्याय किस नाम से प्रसिद्ध है?

(A) ज्ञानयोग। (B) संख्ययोग।

(C) भक्तियोग। (D) कर्मयोग।

79. न हन्यते हन्यमाने शरीरे। - इस वचन में किस का वर्णन है?

(A) ब्रह्म का। (B) शाश्वत का।

(C) अज का। (D) आत्मा का।

80. नैवं पापमवाप्स्यसि। – गीता के इस वचन में नैवम् – से किस का उल्लेख नही किया गया है?

(A) जयाजयौ समौ कृत्वा। (B) फलाफले समे कृत्वा।

(C) लाभालाभौ समौ कृत्वा। (D) सुखदु:खे समे कृत्वा।

81. गीता के मत में यज्ञचक्र का क्रम है –

(A) अन्न – यज्ञ – वृष्टि – प्रजा। (B) यज्ञ – प्रजा – अन्न – वृष्टि।

(C) यज्ञ – वृष्टि – अन्न – प्रजा। (D) यज्ञ – अन्न – प्रजा – वृष्टि।

82. गीता में इस यज्ञ का भी उल्लेख है–

(A) योगयज्ञ। (B) धर्मयज्ञ।

(C) भोगयज्ञ। (D) पाकयज्ञ।

83. तर्कसंग्रह के मत में रसनाग्राह्य गुण कौन सा है?

(A) रस। (B) जल।

(C) पाक। (D) स्पर्श।

84. तर्कसंग्रह के मत में कारण होता है–

(A) चतुर्विध। (B) त्रिविध।

(C) द्विविध। (D) षड्विध।

85. चार प्रकार के अभावों में इसका समावेश नहीं होता है–

(A) प्रागभाव। (B) परोक्षाभाव।

(C) प्रध्वंसाभाव। (D) अत्यन्ताभाव।

86. यथार्था एवं अयथार्था के रूप में द्विविध कौन होती है?

(A) प्रज्ञा। (B) स्मृति।

(C) बुद्धि। (D) अनुभूति।

87. टित आत्मनेपदानां टेरे। – इस सूत्र का कार्य क्या है?

(A) आत्मनेपद का विधान करना। (B) एत्व का विधि करना।

(C) टिसंज्ञा करना। (D) टि का लोप करना।

88. ल: कर्मणि च भावे चाकर्मकेभ्य: । – इस सूत्र के द्वारा लकार प्रत्यय किन अर्थों में होते हैं?

(A) कर्ता में तथा कर्म में। (B) कर्ता में।

(C) कर्ता में, कर्म में तथा भाव में। (D) कर्म में।

89. बभूव – इस पद की रूपसिद्धि प्रक्रिया में क्या होता है?

(A) वुक् आगम। (B) गुणकार्य।

(C) अव् आदेश। (D) वृद्धिकार्य।

90. वेदाङ्ग कितने हैं–

(A) दश। (B) पांच।

(C) सात। (D) छ:।

91. यह भवभूति की रचना नहीं है–

(A) जानकीहरणम्। (B) मालतीमाधवम्।

(C) महावीरचरितम्। (D) उत्तररामचरितम्।

92. विदूर के मत में अविनय किस के (हन्ति) समाप्त करता है?
(A) जरा को। (B) विनय को।
(C) रूप को। (D) श्री को।

93. मालाकार इवारामे न यथाङ्गारकारका:। - इस नीतिवचन का संदर्भ है-
(A) करग्रहण में। (B) कृषिकार्य में।
(C) व्यापार में। (D) राजकार्य में।

94. विदुर के द्वारा उपदिष्ट इज्यादिरूप धर्ममार्ग कितने प्रकार का है?
(A) पञ्चविध। (B) षड्विध।
(C) अष्टविध। (D) सप्तविध।

95. वाल्मीकि रामायण का प्रारंभ किन के संवाद से होता है?
(A) नारद तथा देवताओं के। (B) वाल्मीकि तथा कुश के।
(C) वाल्मीकि तथा लव-कुश के। (D) नारद तथा वाल्मीकि के।

96. तप:स्वाध्यायनिरतं तपस्वी वाग्विदां वरम्। - इस रामायण के आद्य पद्य में कौन सा शब्दालङ्कार है?
(A) वृत्त्यनुप्रास। (B) यमक।
(C) चित्रालङ्कार। (D) विभावना।

97. बालकाण्ड के अनुसार पुष्पक से प्रस्थान किये हुए राम कहाँ पहुँचे?
(A) पर्णकुटि में। (B) अयोध्या में।
(C) अशोकवाटिका में। (D) नन्दिग्राम में।

98. गर्भाधानसंस्कार का दूसरा नाम है-
(A) जातकर्मसंस्कार। (B) पुंसवनसंस्कार
(C) निषेकसंस्कार। (D) गृहप्रवेशसंस्कार।

99. विदुरनीति महाभारत के किस पर्व का भाग है -
(A) भीष्मपर्व का। (B) उद्योगपर्व का।
(C) शान्तिपर्व का। (D) सभापर्व का।

100. यह कालिदासकृतियों के सुप्रसिद्ध टीकाकार हैं-
(A) मल्लिनाथ। (B) गोकुलनाथ।
(C) स्थिरदेव। (D) रामचन्द्र।

SPACE FOR ROUGH WORK /रफ कार्य के लिये जगह